

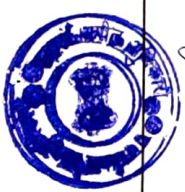
राजस्व अपील प्राधिकारी, जयपुर

I. के. मु. ज. - 658-10,000

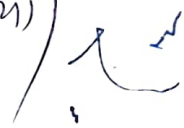
तारीख हुकम
188
हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
हुकम

हनुमान शिवराज

(200)



और से आविष्कार श्री पी के भीगा ने व कामतनाम
 पेशा किया एवम् इपीलान्ट रूप में भी
 उपाधिकार हुआ। इपीलान्ट एवम् वेस्टो स।
 ने अपने अधिकारकारों के साथ उपाधिकार
 होकर प्रार्थना पत्र इन्तर्गत धारा 15।
 बाप्ला डीवानी प्रस्तुत कर निवेदन किया कि
 इस 225 RTA के सम्बन्धित मूल वाड
 अधिनियम न्यायालय के समक्ष रखा
 हो चुका है जिससे यह इपील जब
 सारहीन हो गयी है। अतः यह इपील
 सारहीन हो जाने से रखा फरमा
 जावे। उक्तपत्रों के क्रमानुसार एवम्
 प्रार्थना पत्र 15। बाप्ला डीवानी के साथ
 प्रस्तुत अधिनियम न्यायालय की कोर्टिका
 के इवलोमन से इस 225 RTA की
 इपील से सम्बन्धित मूल वाड जब
 अधिनियम न्यायालय के समक्ष
 आन्तम रूप से निस्तारित हो चुका
 है। अतः ऐसेमें यह इपील जब सारहीन
 हो गयी है। अतः इपील इपील सारहीन
 हो जाने से रखा ही जाती है।
 तदनुसार पञ्जाबी फंसल शुमार
 होकर खास तबमील जारी कर देकर
 हो। इच्छा सुनाया गया।


राजस्व अपील प्राधिकारी
जयपुर